UDYAM-BR-0010266

केशव न्यूज

www.keshavtv24.com | शनिवार 25 जनवरी 2025 वर्ष 01 अंक 01 पृष्ठ 4 | keshavtvbihar@gmail.com

अनमोल वचन

सफल व्यक्ति वह है जो खुद पर फेंकी गई ईटों से मजबूत नीव बना ले

महाकुंभ में भिखारियों का जमावड़ा

संवाददाता केशव न्यूज

50,000 की संख्या, नकली घाव, रोजाना 1–2 हजार की कमाई

प्रयागराज महाकुंभ में संगम तट पर भिखारियों का जमावड़ा हर ओर देखने को मिलता है। इनमें से कई नकली घाव बनाकर भीख मांगते हैं। महाकुंभ शुरू होने से पहले यहां लगभग 7,000 भिखारी थे। मेले के आरंभ के साथ ही यह संख्या 50,000 तक पहुंच गई। इनमें से अधिकांश प्रयागराज और उसके पड़ोसी जिलों जैसे प्रतापगढ़, मिर्जापुर, चित्रकूट, वाराणसी और कौशांबी से हैं। इसके अलावा, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश के भिखारी भी बड़ी संख्या में पहुंचे हैं।

महाकुंभ का आयोजन 25 सेक्टरों में फैला है, जिनमें से 10 वर्ग किलोमीटर का क्षेत्र सबसे अधिक भीड़भाड़ वाला है। संगम घाट, किला, अक्षय वट और लेटे हुए हनुमान मंदिर जैसे स्थानों पर भारी भीड़ रहती है। यहां भिखारी अपनी जगह षफिक्सष कर चुके हैं। कोई भी किसी और की जगह पर नहीं बैठ सकता। संगम नोज पर, जहां सबसे अधिक श्रद्धालु आते हैं, करीब 100 भिखारी एक कतार में बैठे नजर आए। इनमें महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों की संख्या अधिक थी।भिखारी अपने शरीर पर नकली घाव बनाकर भीख मांगते हैं। जानवरों की चर्बी और अन्य सामग्री से इन घावों को तैयार किया जाता है ताकि ये असली दिखें। जानवरों की चर्बी से घाव जैसा डिजाइन बनाया जाता है। इसमें मक्खियों को दूर रखने के लिए विशेष समाधान लगाया जाता है। कभी–कभी दर्द निवारक बाम का भी उपयोग होता है ताकि घाव ताजा नजर आए। दैनिक भास्कर की टीम ने जब भिखारियों से बात करने की कोशिश की तो अधिकतर ने अपने घाव छिपा लिए और कुछ ने बातचीत करने से मना कर दिया।

हनुमान मंदिर के पास 500 से अधिक भिखारी बैठे नजर आए। इनमें देवी–देवताओं का वेश धारण किए बच्चे भी थे। बच्चों को भगवान शिव, कृष्ण और अन्य देवी–देवताओं का रूप देकर भीख मंगवाई जाती है। 8 वर्षीय सुषमा, जो राधा का गेटअप धारण करती है, ने बताया कि वह अपनी मां के साथ आई है और रोजाना 500–600 रुपये कमा लेती है।

भिखारियों को हटाने के लिए पुलिस ने 5 टीमें गठित की हैं। भिखारियों को पकड़कर नैनी के वृद्धाश्रम में ले जाया जाता है। वहां उनकी जानकारी दर्ज की जाती है और उन्हें वापस जाने के लिए कहा जाता है। इसके बावजूद, भिखारी दोबारा कुंभ क्षेत्र में लौट आते हैं।

महाकुंभ में भिखारियों की बढ़ती संख्या एक बड़ी चुनौती है। नकली घाव, गेटअप और एक्टिंग के जरिए ये लोग श्रद्धालुओं से पैसे कमाने में जुटे रहते हैं। प्रशासन और पुलिस की कोशिशों के बावजूद, भिखारियों को मेले से पूरी तरह हटाना संभव नहीं हो पा रहा। दान की परंपरा और धर्म के नाम पर यहां एक अनियंत्रित व्यवस्था खड़ी हो गई है।

बॉलीवुड छोड़ आध्यात्म की राह पर ममता कुलकर्णी– किन्नर अखाड़ा की महामंडलेश्वर बनीं, 23 साल की तपस्या के बाद मिली मान्यता

ममता कुलकर्णी बनीं किन्नर अखाड़ा की महामंडलेश्वर

संवाददाता केशव न्यूज

बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री ममता कुलकर्णी ने आध्यात्मिकता की ओर कदम बढ़ाते हुए किन्नर अखाड़ा की महामंडलेश्वर की पदवी ग्रहण की। प्रयागराज में संगम तट पर उन्होंने पि. ंडदान किया और अब उन्हें यामाई ममता नंद गिरि के नाम से जाना जाएगा। ममता शुक्रवार को महाकुंभ में पहुंचीं, जहां उन्होंने किन्नर अखाड़ा की आचार्य महामंडलेश्वर लक्ष्मीनारायण त्रिपाठी से आशीर्वाद लिया। उनके बीच लंबी चर्चा के बाद ममता को महामं. डलेश्वर की पदवी देने का निर्णय लिया गया। महामंडलेश्वर बनने की प्रक्रिया में ममता ने भगवा वस्त्र धारण किए, रुद्राक्ष की माला पहनी और धार्मिक विधियों का पालन किया। नदी किनारे स्नान और पिंडदान से शुरुआत हुई। इस दौरान ममता ने परिवार और सांसारिक जीवन से संबंध समाप्त कर दिए। विजय हवन और पंचामृत अभिषेक के बाद उन्हें अखाड़े में प्रवेश दिलाया गया। ममता ने कहा कि यह उनके लिए बेहद यादगार पल है। ममता ने बताया कि उनका यह आध्यात्मिक बदलाव अचानक नहीं हुआ। वर्ष 2000 से उन्होंने तपस्या की शुरुआत की थी। उनके गुरु श्री चौतन्य गगन गिरी गुरु नाथ हैं, जिनसे उन्होंने दीक्षा ली। पिछले 23 वर्षों से वह साधना कर रही थीं। उन्होंने कहा कि महाकाल और आदिशक्ति की इच्छाशक्ति से उन्हें यह मार्ग मिला।

जब उनसे पूछा गया कि क्या वह बॉलीवुड में वापसी करेंगी, तो उन्होंने स्पष्ट कहा कि अब उनका फिल्मी दुनिया से कोई नाता नहीं है। उन्होंने 23 साल पहले बॉलीवुड छोड़ दिया था और अब उनका जीवन पूरी तरह से अध्यात्म को समर्पित है।

ममता का फिल्मी सफर शानदार रहा। 1991 में तमिल फिल्म ननबरगल से शुरुआत करने वाली ममता ने हिंदी सिनेमा में मेरा दिल तेरे लिए से डेब्यू किया। आशिक आवारा, करण अर्जुन, 'क्रांतिवीर' जैसी सफल फिल्मों में अभिनय किया। 2002 में उनकी आखिरी फिल्म कभी तुम कभी हम रिलीज हुई।

अपने फिल्मी करियर के दौरान ममता कई विवादों में रहीं। 1993 में उन्होंने स्टारडस्ट मैगजीन के लिए टॉपलेस फोटोशूट कराया, जिससे काफी चर्चा हुई। इसके अलावा, उनके ड्रग माफिया विक्की गोस्वामी से कथित संबंधों ने सुर्खियां बटोरीं। हालांकि ममता ने शादी की खबरों को हमेशा नकारा और कहा कि उनका पहला और आखिरी प्रेम ईश्वर हैं।

स्मार्टवॉच ने सुलझाई हत्या की गुत्थी– दो भाइयों ने मिलकर भाई को मारा, पहचान छिपाने के लिए शव 47 किमी दूर फेंका

संवाददाता केशव न्यूज

मोतिहारी में एक स्मार्टवॉच ने हत्या की गुत्थी को सुलझाने में अहम भूमिका निभाई। 31 दिनों के बाद 28 वर्षीय युवक की हत्या का मामला सामने आया और पुलिस ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। यह घटना 25 दिसंबर की है, जब केसरिया थाना क्षेत्र के सत्तरघाट पुल के नीचे एक अज्ञात युवक का शव बरामद हुआ।

पुलिस ने घटना स्थल के आसपास के लोगों से पूछताछ की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। शव की पहचान के लिए पुलिस ने सोशल मीडिया का सहारा लिया, लेकिन वहां से भी कोई जानकारी नहीं मिली। मृतक की जेब से एक स्मार्टवॉच बरामद हुई, जो बंद अवस्था में थी। पुलिस ने स्मार्टवॉच की जांच कराई और उसका क्यूआर कोड दिल्ली भेजा गया।

दिल्ली से जानकारी मिली कि स्मार्टवॉच सारण जिले के मशरख थाना क्षेत्र के एकवना कवलपुर गांव के निवासी दूधनाथ सिंह के बेटे राहुल सिंह (28) की है। इसके बाद पुलिस राहुल के घर पहुंची और परिजनों से पूछताछ की। जांच के दौरान बड़े भाई पंकज पर शक हुआ और उसे हिरासत में लेकर सख्ती से पूछताछ की गई।

पुलिस की सख्ती के बाद पंकज ने राहुल की हत्या की पूरी घटना का खुलासा किया। उसने बताया कि 24 दिसंबर की रात राहुल नशे की हालत में घर लौटा। परिवार के सभी लोग बातचीत कर रहे थे, तभी राहुल ने झगड़ा करना शुरू कर दिया। यह उसकी आदत बन चुकी थी, जिससे घर के सभी लोग परेशान थे। झगड़े के दौरान राहुल ने पंकज का गला पकड़ लिया। खुद को बचाने के लिए पंकज ने राहुल को छुड़ाने की कोशिश की। इसी दौरान छोटे भाई सोनू ने राहुल को धक्का दे दिया, जिससे वह गेट से टकराकर नीचे गिर पड़ा। सिर में गंभीर चोट लगने के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

राहुल की मौत के बाद पंकज और सोनू घबरा गए। घटना को छिपाने के लिए दोनों ने शव को बाइक पर रखा और 47 किलोमीटर दूर सत्तरघाट पुल के नीचे फेंक दिया, ताकि शव की पहचान न हो सके।

पुलिस ने पंकज को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि दूसरा आरोपी सोनू फरार है। पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई है। इस मामले में स्मार्टवॉच ने अहम सुराग देकर हत्यारों तक पहुंचने में मदद की।

जननायक कर्पूरी ठाकुर की 101वी जयंती पर बिहार में श्रद्धांजलि और उनके विचारों का स्मरण

जननायक कर्पूरी ठाकुर की 101वीं जयंती के अवसर पर बिहार में कई स्थानों पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किए गए। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सहित कई प्रमुख नेताओं और संगठनों ने कर्पूरी ठाकुर के विचारों और आदर्शों को याद करते हुए उन्हें सम्मान दिया। मुख्यमंत्री ने 6 स्थानों पर उनके चित्र और प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। सबसे पहले वे विधानमंडल परिसर में आयोजित राजकीय समारोह में पहुंचे। इसके बाद उन्होंने कर्पूरी ठाकुर स्मृति संग्रहालय और जदयू कार्यालय में आयोजित कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। वे समस्तीपुर स्थित कर्पूरी ग्राम के कार्यक्रम में भी शामिल हुए।

विधानसभा अध्यक्ष नंदकिशोर यादव, उपाध्यक्ष नरेंद्र नारायण यादव, केंद्रीय मंत्री रामनाथ ठाकुर, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी सहित कई नेताओं ने कार्यक्रमों में भाग लिया। जदयू कार्यालय में आयोजित जयंती समारोह में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को कर्पूरी ठाकुर के विचारों को जमीन पर उतारने वाला नेता बताया।

भाजपा के ओबीसी मोर्चा ने भी जननायक कर्पूरी ठाकुर की जयंती मनाई। मोर्चा के अध्यक्ष बलराम मंडल ने कहा कि जननायक ने राजनीति को नई दिशा दी। इस अवसर पर मंत्री प्रेम कुमार, सांसद भीम सिंह, और अन्य प्रमुख नेता उपस्थित रहे। राजद के प्रदेश कार्यालय में लालू प्रसाद यादव ने कर्पूरी ठाकुर के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने जननायक के योगदान को वंचित वर्गों के उत्थान के लिए अमूल्य बताया। वहीं, हम (से.) के नेता जीतनराम मांझी और विकासशील इंसान पार्टी के प्रमुख मुकेश सहनी ने भी कर्पूरी ठाकुर को नमन किया।

जन सुराज की ओर से मिलर स्कूल ग्राउंड में आयोजित समारोह में प्रशांत किशोर ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी पिछड़े समाज के 70 लोगों को टिकट देगी। उन्होंने कर्पूरी ठाकुर के विचारों को जनसुराज का आदर्श बताया।

बिहार बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष डॉ. अमरदीप ने कहा कि कर्पूरी ठाकुर का जीवन वंचित, शोषित और पीड़ित वर्गों के उत्थान के लिए समर्पित था। अन्य सामाजिक संगठनों ने भी उनके योगदान को याद करते हुए जयंती समारोह आयोजित किए। कर्पूरी ठाकुर की 101वीं जयंती पर उनके सामाजिक न्याय के प्रति समर्पण और उनके योगदान को याद करते हुए बिहार के नेताओं और संगठनों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी।

बीजेपी से इस्तीफा देकर अपने समर्थकों के साथ जेडीयू की सदस्यता ग्रहण की

संवाददाता केशव न्यूज

बिहारशरीफ के ग्राम मघड़ा निवासी रंजीत कुमार सिलाब ने आज बीजेपी से इस्तीफा देकर पुनः जेडीयू की सदस्यता ग्रहण की। रंजीत कुमार ने गत पांच माह पहले एक कार्यक्रम में माननीय मंत्री प्रेम कुमार के हाथों जेडीयू से इस्तीफा देकर बीजेपी की सदस्यता ग्रहण की थी। आज, रंजीत कुमार ने जेडीयू के प्रखंड अध्यक्ष संजय कुशवाहा के हाथों पुनः जेडीयू की सदस्यता ली।

इस अवसर पर रंजीत कुमार ने कहा, ष्मुख्यमंत्री नीतीश कुमार इसी जिले से हैं और मैं जन्मजात जेडीयू से जुड़ा हुआ था। लेकिन जेडीयू द्वारा मुझे सम्मान नहीं दिए जाने के कारण मैंने जेडीयू से अलग होकर बीजेपी में शामिल होने का निर्णय लिया। मंत्री श्री श्रवण कुमार, जो मेरे क्षेत्र से विधायक और मंत्री हैं, के प्रभाव में आकर और नीतीश कुमार की नीतियों पर विश्वास करके मैंने पुरानी पार्टी में वापस लौटने का निर्णय लिया।ष्

रंजीत कुमार के साथ पवन शर्मा, नंदकिशोर दादा, बाल्मीकि सिंह, कृष्ण विचार मंच के संयोजक राम अवतार शर्मा समेत दर्जनों समर्थकों ने जेडीयू की सदस्यता ग्रहण की।

101वीं जयंती पर जद(यू) कार्यालय में गरिमामयी आयोजन

जेडीयू कार्यालय में जननायक कर्पूरी ठाकुर की 101वीं जयंती समारोह आयोजित

जद(यू) कार्यकर्ताओं का उत्साह और श्रद्धा का इज़हार

संवाददाता केशव न्यूज

नालंदा जिले के बिहारशरीफ स्थित जद(यू) पार्टी जिला कार्यालय में जननायक कर्पूरी ठाकुर की 101वीं जयंती बड़े श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर जद(यू) कार्यकर्ताओं और नेताओं ने एकत्रित होकर कर्पूरी ठाकुर के योगदान और आदर्शों को याद किया।

कार्यक्रम की शुरुआत जननायक कर्पूरी ठाकुर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करके की गई। उपस्थित नेताओं और कार्यकर्ताओं ने कर्पूरी ठाकुर के जीवन और उनके संघर्षों पर प्रकाश डालते हुए उनके पदचिह्नों पर चलने का संकल्प लिया।

इस मौके पर जिला अध्यक्ष मोहम्मद अरशद ने कहा कि कर्पूरी ठाकुर जी सादगी, ईमानदारी और त्याग की प्रतिमूर्ति थे। उन्होंने पिछड़े और अति पिछड़े वर्गों के लिए और समाज के सभी वर्गों के हितों के लिए जो कार्य किए, वह आज भी हमारे बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा

किए जा रहे हैं। उनकी नीति और सिद्धांतों पर चलकर बिहार को आगे बढ़ाने का काम किया जा रहा है। वहीं, जद(यू) के मुख्य प्रवक्ता भवानी सिंह ने कहा कि कर्पूरी ठाकुर केवल दूरदर्शी ही नहीं, बल्कि एक ओजस्वी वक्ता भी थे। वह सचमुच जननायक थे। उन्होंने बिहार में शिक्षा के क्षेत्र में बदलाव करते हुए मैट्रिक तक मुफ्त शिक्षा की व्यवस्था की और अंग्रेजी विषय की अनिवार्यता को खत्म किया। उन्होंने कभी स्वार्थ की राजनीति नहीं की और हमेशा वंचितों और गरीबों के लिए काम किया।

कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष मोहम्मद अरशद, पूर्व एमएलसी राजेश कुमार उर्फ राजू यादव, राजेंद्र प्रसाद, मोहम्मद असगर शमीम, मुख्य प्रवक्ता भवानी सिंह, गुलरेज अंसारी, बनारस प्रसाद, विनोद प्रसाद सिंह, विनय कुमार, विजय कुमार सिंह, अजय पटेल, अजय चंद्रवंशी, अरविंद कुमार, भारत भूषण प्रसाद, सुरेंद्र प्रसाद, संजय पासवान, डॉ. अभिषेक कुमार, शैलेंद्र कुमार, सुरेश प्रसाद, देवन प्रसाद, अरविंद कुमार चंद्रवंशी, आलोक कुशवाहा, रूपेश कुमार, जनार्दन पंडित, शशिकांत कुमार, रामचंद्र चौहान, निशांत कुमार, अमरेश कुमार, राजेश चौधरी, विकास कुमार, अब्दुल हक, श्रवण, जनार्दन प्रसाद, शशि भूषण प्रसाद, सुनील दत्त, अमित कुमार रिकी, शशिकांत कुमार टोनी, मोहम्मद अहसान, प्रो. परविंदर कुमार, संजय कुमार, कुमार मंगलम समेत अन्य लोग उपस्थित रहे।

नालंदा में सड़क हादसे में बाइक सवार की मौत, दो दोस्त घायल

संवाददाता केशव न्यूज

बिहार शरीफ–राजगीर मुख्य मार्ग पर शुक्रवार को हुए एक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। यह हादसा नालंदा थाना क्षेत्र के नालंदा मोड़ के पास हुआ। मृतक की पहचान राजगीर थाना क्षेत्र के बड़ाकर गांव निवासी 21 वर्षीय पंकज कुमार के रूप में की गई है। इस हादसे में पंकज का दोस्त बड़ाकर गांव के ऋतिक कुमार और धर्मवीर कुमार भी गंभीर रूप से घायल हो गए हैं।

घायलों में से एक युवक ने बताया कि वे बिहार शरीफ से बाइक की मरम्मत करवाकर अपने घर बड़ाकर लौट रहे थे। इस दौरान नालंदा मोड़ के पास एक कार की वजह से उनकी बाइक बेकाबू हो गई और दूसरी गाड़ी में फंस गई। बाइक करीब 10 फीट तक सड़क पर घसीटती रही।

स्थानीय लोगों ने घटना की जानकारी डायल–112 पुलिस को दी, जिसके बाद घायलों को इलाज के लिए बिहार शरीफ सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल पहुं. चने पर पंकज कुमार को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। जबकि ऋतिक कुमार और धर्मवीर कुमार का इलाज जारी है।

सरस्वती शिशु निकेतन का स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया

बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से कार्यक्रम को बनाया खास

संवाददाता केशव न्यूज

नालंदा जिले के बिहारशरीफ मुख्यालय स्थित लालबाग गांव में सरस्वती शिशु निकेतन का स्थापना दिवस बड़े धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर के मुख्य अतिथि भारतीय स्वतंत्रता शिक्षक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष कौशलेंद्र कुमार भारत मानस थे, जिन्होंने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि आज के बच्चे हर क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। पढ़ाई के साथ–साथ खेल और संगीत में भी करियर बनाने की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने बच्चों को देश का उज्जवल भविष्य बताते हुए कहा कि ये बच्चे आगे चलकर अधिकारी, डॉक्टर, इंजीनियर और अन्य क्षेत्रों में योगदान देकर देश को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगे।

कार्यक्रम के दौरान स्कूली बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम, नाटक और बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर प्रस्तुतियां देकर समाज में जागरूकता फैलाने का प्रयास किया। बच्चों द्वारा प्रस्तुत

सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने दर्शकों का दिल छू लिया और सभी को प्रभावित किया।विद्यालय की प्रचार्या संगीता कुमारी ने बताया कि यह विद्यालय ग्रामीण क्षेत्र में स्थित है और यहां बच्चों को शिक्षा के साथ–साथ संगीत, पेंटिंग और अन्य रचनात्मक विधाओं में भी प्रशिक्षित किया जाता है। उन्होंने कहा कि विद्यालय में स्मार्ट क्लासेस, कंप्यूटर लैब और कमजोर बच्चों के लिए विशेष कक्षाओं की भी व्यवस्था की गई है।

संगीता कुमारी ने यह भी बताया कि उनका उद्देश्य बच्चों को रचनात्मक और समग्र शिक्षा प्रदान कर समाज को समृद्ध बनाना है। उन्होंने कहा, हम बच्चों को संगीत और पेंटिंग के माध्यम से न केवल उनकी शिक्षा को रोचक बनाते हैं, बल्कि उन्हें समाज के जिम्मेदार नागरिक भी बनाते हैं। कार्यक्रम का समापन बच्चों और शिक्षकों के उत्साहपूर्ण सहयोग से हुआ, और विद्यालय के इस प्रयास की सभी उपस्थित जनों ने सराहना की।

नालंदा में रक्तवीर सम्मान समारोह – रक्तदान को बढ़ावा देने के लिए आयोजित भव्य कार्यक्रम में रक्तवीरों को सम्मानित किया गया

संवाददाता केशव न्यूज

नालंदा जिला मुख्यालय स्थित कर्पूरी भवन में नालंदा ब्लड ग्रुप द्वारा आयोजित रक्तवीर सम्मान समारोह बड़े उत्साह और भव्यता के साथ सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम में नेपाल, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, बिहार सहित विभिन्न राज्यों के रक्तवीरों को उनके निस्वार्थ सेवा और समाज के प्रति योगदान के लिए सम्मा. नित किया गया। इस समारोह का उद्देश्य रक्तदान के महत्व को बढ़ावा देना और समाज को इस नेक कार्य के प्रति जागरूक करना था।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि, राजद नेत्री आयशा फातिमा ने रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, ष्रक्तदान केवल जरूरतमंदों का जीवन बचाने का कार्य नहीं है, बल्कि यह मानवता की सबसे बड़ी सेवा को दर्शाता है। रक्तदान करने वाले व्यक्ति समाज के सच्चे नायक होते हैं।ष आयशा फातिमा ने आगे बताया कि रक्तदान न केवल दूसरों की जान बचाता है, बल्कि यह रक्तदाता के स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी है, क्योंकि इससे शरीर में नई ऊर्जा का संचार होता है और कई स्वास्थ्य लाभ होते हैं।

रक्तवीरों को सम्मानित करते हुए आयशा फातिमा ने कहा, ष्मैं बिहार शरीफ से जुड़ी हूं और मेरा जीवन का उद्देश्य समाज की सेवा करना है। इस तरह के आयोजनों के माध्यम से हम सभी को एकजुट होकर समाज में जागरूकता फैलानी चाहिए ताकि रक्तदान के प्रति लोगों का नजरिया बदले और अधिक से अधिक लोग इस दिशा में कदम बढ़ाएं।ष उन्होंने यह भी कहा कि रक्त की कमी के कारण होने वाली मौतें एक गंभीर चिंता का विषय हैं, और इसे रोकने के लिए हमें मिलकर काम करना होगा। कार्यक्रम में नालंदा ब्लड ग्रुप के मोहम्मद गिलानी और कामरान अशरफी समेत कई गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे। उन्होंने भी रक्तदान के महत्व पर अपने विचार साझा किए और कहा कि रक्तदान करने से किसी की जिंदगी बचाई जा सकती है। उन्होंने यह भी बताया कि किस तरह ब्लड बैंक जरूरतमंदों तक समय पर रक्त पहुंचाने में अहम भूमिका निभाता है।

समारोह में उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों ने रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि समाज में रक्तदान को लेकर जागरूकता बढ़ाना समय की मांग है। यह कार्यक्रम केवल रक्तदाताओं के सम्मान के लिए ही नहीं था, बल्कि इसका उद्देश्य समाज के हर वर्ग को रक्तदान के प्रति प्रेरित करना भी था।

हत्या के आरोपी की गिरफ्तारी के लिए घर पर इश्तेहार चिपकाया, कुर्की–जब्ती की दी चेतावनी

संवाददाता केशव न्यूज

सीवान के महाराजगंज थाना क्षेत्र में हत्या के आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने सख्त कदम उठाए हैं। रिसौरा गांव के दामोदर सिंह महीनों से हत्या के मामले में फरार चल रहे थे। पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर उनके घर पर इश्तेहार चिपका दिया है, जिसमें यह स्पष्ट किया गया है कि अगर आरोपी ने आत्मसमर्पण नहीं किया, तो उसके घर की कुर्की–जब्ती की जाएगी। साथ ही घर में रखे सामान को जब्त करने और बुलडोजर से घर को ध्वस्त करने की कार्रवाई की जा सकती है।

पुलिस का कहना है कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिए उनके घर और रिश्तेदारों के यहां कई बार छापेमारी की गई, लेकिन वह पकड़ में नहीं आया। अब प्रशासन ने इस मामले में कड़ी कार्रवाई की है। महाराजगंज थानाध्यक्ष उपेंद्र सिंह ने बताया कि दामोदर सिंह हत्या के आरोप में वांछित है और प्रशासन उसकी गिरफ्तारी के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है। यह कदम अपराधियों को कड़ा संदेश देने के लिए उठाया गया है कि कानून से बचने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

नवादा में स्कूल जा रही 9वीं की चार छात्राओं को तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मारी, हादसे में दो के सिर में चोट, एक का हाथ टूटा

संवाददाता केशव न्यूज

नवादा जिले में शुक्रवार को एक दुखद सड़क हादसा हुआ। मुफ. स्सिल थाना क्षेत्र के झीकठौर गांव के पास स्कूल जा रही चार छात्राओं को तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गईं।

घायल छात्राओं की पहचान सलोनी कुमारी (दिलीप यादव की बेटी), अंकिता कुमारी (साधु शरण कुमार की बेटी), मानसी कुमारी (सुबोध यादव की बेटी) और वर्षा कुमारी (दिनेश यादव की बेटी) के रूप में हुई है। सभी छात्राएं नवादा में पढ़ाई के लिए साइकिल से जा रही थीं और 9वीं कक्षा की छात्रा थीं।

हादसा तब हुआ जब छात्राएं सड़क किनारे साइकिल से उतर रही थीं, तभी पीछे से आए तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी।

इस हादसे में दो छात्राओं के सिर में गंभीर चोटें आईं, एक का हाथ टूट गया, और अन्य को भी गंभीर चोटें आईं। स्थानीय लोगों ने घटना के तुरंत बाद ट्रक को चिह्नित कर लिया है।

घायल छात्राओं को तत्काल सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। पुलिस ने ट्रक चालक की तलाश शुरू कर दी है और मामले की जांच की जा रही है।